Pro

Chapter 1

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

מְשָׁלֵי	שְׁלֹמֹה	בֶּן־	דָּוִד	מֶלֶךְ	יִשְׂרָאֵל׃	1
दृष्टान्त	शलोमो-के	पुत्र-	दाऊद-के	राजा	यिसराएल-के	
H4912	H8010		H1732	H4428	H3478	

दाऊद के पुत्र और इस्राएल के राजा सुलैमान के नीतिवचन। यह शब्द इसलिये लिखे गये हैं,

לָדַעַת	חָכְמָה	וּמוּסָר	לְהָבִין	אִמְרֵי	בִינָה׃	2
जानने-के-लिए	बुद्धि	और-शिक्षा	समझने-के-लिए	वचन	समझ-के	
H3045	H2451	H4148	H0995	H0561	H0998	

ताकि मनुष्य बुद्धि को पाये, अनुशासन को ग्रहण करे, जिनसे समझ भरी बातों का ज्ञान हो,

לָקַחַת	מוּסַר	הַשְׂכֶּל	צֶדֶק	וּמִשְׁפָּט	וּמֵישָׁרִים׃	3
ग्रहण-करने-के-लिए	शिक्षा	विवेक-की	धर्म	और-न्याय	और-सीधाई	
H3947	H4148		H6664	H4941	H4339	

ताकि मनुष्य विवेकशील, अनुशासित जीवन पाये, और धर्म—पूर्ण, न्याय—पूर्ण, पक्षपातरहित कार्य करे,

לָתֵת	לִפְתָאיִם	עָרְמָה	לְנַעַר	דַּעַת	וּמְזִמָּה׃	4
देने-के-लिए	भोलों-को	चतुराई	जवान-को	ज्ञान	और-योजना	
H5414		H6195	H5288	H1847	H4209	

सरल सीधे जन को विवेक और ज्ञान तथा युवकों को अच्छे बुरे का भेद सिखा (बता) पायें।

יִשְׁמַע	חָכָם	וְיוֹסֶף	לֶקַח	וְנָבוֹן	תַּחְבֻּלוֹת	יִקְנֶה׃	5
सुने	बुद्धिमान	और-बढ़ाए	सीख	और-समझदार	मार्गदर्शन	प्राप्त-करे	
H8085	H2450	H3254	H3948	H0995	H8458	H7069	

बुद्धिमान उन्हें सुन कर निज ज्ञान बढ़ावें और समझदार व्यक्ति दिशा निर्देश पायें,

לְהָבִין	מָשָׁל	וּמְלִיצָה	דִּבְרֵי	חֲכָמִים	וְחִידֹתָם׃	6
समझने-के-लिए	दृष्टान्त	और-व्याख्या	वचन	बुद्धिमानों-के	और-पहेलियाँ-उनकी	
H0995	H4912	H4426	H1697	H2450	H2420	

ताकि मनुष्य नीतिवचन, ज्ञानी के दृष्टाँतों को और पहेली भरी बातों को समझ सकें।

יִרְאַת	יְהוָה	רֵאשִׁית	דָּעַת	חָכְמָה	וּמוּסָר	אֱוִילִים	בָּזוּ׃	פ
भय	यहोवा-का	आरम्भ	ज्ञान-का	बुद्धि	और-शिक्षा-को	मूर्खों-ने	तुच्छ-जाना	—
H3374	H3068	H7225	H1847	H2451	H4148	H0191	H0936	

यहोवा का भय मानना ज्ञान का आदि है किन्तु मूर्ख जन तो बुद्धि और अनुशासन को तुच्छ मानते हैं।

שְׁמַע	בְּנִי	מוּסַר	אָבִיךָ	וְאַל־	תִּטֹּשׁ	תּוֹרַת	אִמֶּךָ׃
सुन	मेरे-पुत्र	शिक्षा	पिता-तेरे-की	और-मत-	त्याग	व्यवस्था	माता-तेरी-की
H8085		H4148	H0001	H0408	H5203	H8451	H0517

हे मेरे पुत्र, अपने पिता की शिक्षा पर ध्यान दे और अपनी माता की नसीहत को मत भूल।

כִּי	לְוְיַת	חֵן	הֵם	לְרֹאשֶׁךָ	וַעֲנָקִים	לְגַרְגְּרֹתֶיךָ׃
क्योंकि	माला	अनुग्रह-की	वे	सिर-तेरे-के-लिए	और-हार	गले-तेरे-के-लिए
	H3880	H2580	H1992			H1621

वे तेरा सिर सजाने को मुकुट और शोभायमान करने तेरे गले का हार बनेंगे।

10	בְּנִי	אִם־	יְפַתּוּךָ	חַטָּאִים	אַל־	תֹּבֵא׃
	मेरे-पुत्र	यदि-	फुसलाएँ-तुझे	पापी	मत-	सहमत-हो
				H2400	H0408	H0014

हे मेरे पुत्र, यदि पापी तुझे बहलाने फुसलाने आयें उनकी कभी मत मानना।

11	אִם־	יֹאמְרוּ	לְכָה	אִתָּנוּ	נֶאֶרְבָה	לְדָם	נִצְפְּנָה	לְנָקִי	חִנָּם׃
	यदि-	कहें	चल	हमारे-साथ	घात-लगाएँ	खून-के-लिए	छिपकर-बैठें	निर्दोष-के-लिए	व्यर्थ
		H0559	H3212	H0854	H0693	H1818	H6845		H2600

और यदि वे कहें, “आजा हमारे साथ! आ, हम किसी के घात में बैठे! आ निर्दोष पर छिपकर वार करें!

12	נִבְלָעֵם	כִּשְׁאוֹל	חַיִּים	וּתְמִימִים	כְּיוֹרְדֵי	בוֹר׃
	निगल-जाएँ-उन्हें	अधोलोक-की-तरह	जीवित	और-सम्पूर्ण	गड्ढे-में-उतरनेवालों-की-तरह	गड्ढे-में
	H1104	H7585		H8549	H3381	

आ, हम उन्हें जीवित ही सारे का सारा निगल जायें वैसे ही जैसे कब्र निगलती हैं। जैसे नीचे पाताल में कहीं फिसलता चला जाता है।

13	כָּל־	הוֹן	יָקָר	נִמְצָא	נְמַלֵּא	בָתֵּינוּ	שָׁלָל׃
	सब-	धन	बहुमूल्य	पाएँगे	भर-लेंगे	घर-अपने	लूट-से
	H3605	H1952	H3368	H4672	H4390		H7998

हम सभी बहुमूल्य वस्तुयें पा जायेंगे और अपने इस लूट से घर भर लेंगे।

14	גּוֹרָלְךָ	תַּפִּיל	בְּתוֹכֵנוּ	כִּיס	אֶחָד	יִהְיֶה	לְכֻלָּנוּ׃
	चिट्ठी-तेरी	डाल	हमारे-बीच-में	थैली	एक	होगी	हम-सब-की
	H1486	H5307	H8432	H3599	H0259	H1961	H3605

अपने भाग्य का पासा हमारे साथ फेंक, हम एक ही बटुवे के सहभागी होंगे!”

15	בְּנִי	אַל־	תֵּלֵךְ	בְּדֶרֶךְ	אִתָּם	מְנַע	רַגְלְךָ	מִנְּתִיבָתָם׃
	मेरे-पुत्र	मत-	चल	राह-में	उनके-साथ	रोक	पाँव-अपना	पथ-उनके-से
		H0408	H3212	H1870	H0854	H4513	H7272	

हे मेरे पुत्र, तू उनकी राहों पर मत चल, तू अपने पैर उन पर रखने से रोक।

16	כִּי	רַגְלֵיהֶם	לָרַע	יָרוּצוּ	וִימַהֲרוּ	לִשְׁפָּךְ־	דָּם׃
	क्योंकि	पाँव-उनके	बुराई-की-ओर	दौड़ते-हैं	और-जल्दी-करते-हैं	बहाने-को-	खून
		H7272		H7323		H8210	H1818

क्योंकि उनके पैर पाप करने को शीघ्र बढ़ते, वे लहू बहाने को अति गतिशील हैं।

17	כִּי־	חִנָּם	מְזֹרָה	הָרָשֶׁת	בְּעֵינֵי	כָּל־	בַּעַל	כָּנָף׃
	क्योंकि-	व्यर्थ	फैलाया-जाता-है	जाल	आँखों-में	सब-	पक्षी	पंखवाले-की
		H2600	H2219	H7568		H3605	H1167	H3671

कितना व्यर्थ है, जाल का फैलाना जबकि सभी पक्षी तुझे पूरी तरह देखते हैं।

18	וְהֵם	לְדָמָם	יֶאֱרֹבוּ	יִצְפְּנוּ	לְנַפְשֹׁתָם׃
	और-वे	अपने-खून-के-लिए	घात-लगाते-हैं	छिपते-हैं	अपने-प्राणों-के-लिए
	H1992	H1818	H0693	H6845	H5315

जो किसी का खून बहाने प्रतीक्षा में बैठे हैं वे अपने आप उस जाल में फँस जायेंगे!

19	כֵּן	אָרְחוֹת	כָּל־	בֹּצֵעַ	בָּצַע	אֶת־	נֶפֶשׁ	בְּעָלָיו	יִקָּח׃	פ
	ऐसे	मार्ग	सब-	लोभ-करनेवाले-के	लाभ-का	-	प्राण	उसके-स्वामियों-का	ले-लेता-है	—
		H0734	H3605	H1214	H1215	H0853	H5315	H1167	H3947	

जो ऐसे बुरे लाभ के पीछे पड़े रहते हैं उन सब ही का यही अंत होता है। उन सब के प्राण हर ले जाता है; जो इस बुरे लाभ को अपनाता है।

20

חָכְמוֹת	בַּחוּץ	תָּרֹנָּה	בָּרְחֹבוֹת	תִּתֵּן	קוֹלָהּ׃
बुद्धि	बाजार-में	पुकारती-है	चौकों-में	देती-है	आवाज-अपनी
H2454	H2351		H7339	H5414	

बुद्धि! तो मार्ग में ऊँचे चढ़ पुकारती है, चौराहों पर अपनी आवाज़ उठाती है।

21

בְּרֹאשׁ	הֹמִיּוֹת	תִּקְרָא	בְּפִתְחֵי	שְׁעָרִים	בָּעִיר	אֲמָרֶיהָ	תֹאמֵר׃
शोरगुल-वाली-जगहों-के	ऊपर	पुकारती-है	फाटकों-के-प्रवेश-में	द्वारों-के	नगर-में	वचन-अपने	कहती-है
	H1993	H7121	H6607	H8179		H0561	H0559

शोर भरी गलियों के नुक्कड़ पर पुकारती है, नगर के फाटक पर निज भाषण देती है:

22

עַד־	מָתַי	פְּתָיִם	תְּאֵהֲבוּ	פֶתִי	וְלֵצִים	לָצוֹן	חָמְדוּ	לָהֶם	וּכְסִילִים	יִשְׂנְאוּ־	דָעַת׃
कब-तक-	कब-तक	भोलो	प्रेम-करोगे	भोलापन	और-ठट्ठा-करनेवाले	ठट्ठा	चाहते-हैं	अपने-लिए	और-मूर्ख	बैर-रखते-हैं-	ज्ञान-से
H5704	H4970		H0157		H3887	H3944		H1992	H3684	H8130	H1847

“अरे भोले लोगों! तुम कब तक अपना मोह सरल राहों से रखोगे उपहास करनेवालों, तुम कब तक उपहासों में आनन्द लोगे अरे मूर्खो, तुम कब तक ज्ञान से घृणा करोगे

23

תָּשׁוּבוּ	לְתוֹכַחְתִּי	הִנֵּה	אַבִּיעָה	לָכֶם	רוּחִי	אוֹדִיעָה	דְבָרַי	אֶתְכֶם׃
फिरो	डाँट-मेरी-की-ओर	देखो	उँडेलूँगी	तुम-पर	आत्मा-अपनी	बताऊँगी	वचन-अपने	तुम्हें
H7725		H2009	H5042		H7307	H3045	H1697	H0853

यदि मेरी फटकार तुम पर प्रभावी होती तो मैं तुम पर अपना हृदय उंडेल देती और तुम्हें अपने सभी विचार जना देती।

24

יַעַן	קָרָאתִי	וַתְּמָאֵנוּ	נָטִיתִי	יָדִי	וְאֵין	מַקְשִׁיב׃
क्योंकि	पुकारा-मैंने	और-इनकार-किया-तुमने	फैलाया	हाथ-अपना	और-नहीं-था	ध्यान-देनेवाला
H3282	H7121	H3985	H5186	H3027	H0369	H7181

“किन्तु क्योंकि तुमने तो मुझको नकार दिया जब मैंने तुम्हें पुकारा, और किसी ने ध्यान न दिया, जब मैंने अपना हाथ बढ़ाया था।

25

וַתִּפְרְעוּ	כָל־	עֲצָתִי	וְתוֹכַחְתִּי	לֹא	אֲבִיתֶם׃
और-टाल-दी	सब-	सलाह-मेरी	और-डाँट-मेरी	नहीं	चाही-तुमने
	H3605	H6098		H3808	H0014

तुमने मेरी सब सम्मत्तियाँ उपेक्षित कीं और मेरी फटकार कभी नहीं स्वीकारीं!

26

גַּם־	אֲנִי	בְּאֵידְכֶם	אֶשְׂחָק	אֶלְעַג	בְּבֹא	פַחְדְּכֶם׃
भी-	मैं	विपत्ति-तुम्हारी-में	हँसूँगी	उपहास-करूँगी	आने-पर	भय-तुम्हारे-के
H1571	H0589	H0343	H7832	H3932	H0935	H6343

इसलिए, बदले में, मैं तेरे नाश पर हसूँगी। मैं उपहास करूँगी जब तेरा विनाश तुझे घेरेगा!

27

בְּבֹא	[כשאוה]	()כְשׁוֹאָה	פַּחְדְּכֶם	וְאֵידְכֶם	כְּסוּפָה	יֶאֱתֶה	בְּבֹא	עֲלֵיכֶם	צָרָה	וְצוּקָה׃
आने-पर	—	आँधी-की-तरह	भय-तुम्हारा	और-विपत्ति-तुम्हारी	बवंडर-की-तरह	आएगी	आने-पर	तुम-पर	संकट	और-कष्ट
H0935	H7584		H6343	H0343		H0857	H0935			

जब विनाश तुझे वैसे ही घेरेगा जैसे भीषण बबूले सा बवण्डर घेरता है, जब विनाश जकड़ेगा, और जब विनाश तथा संकट तुझे डुबो देंगे।

28

אָז	יִקְרָאֻנְנִי	וְלֹא	אֶעֱנֶה	יְשַׁחֲרֻנְנִי	וְלֹא	יִמְצָאֻנְנִי׃
तब	पुकारेंगे-मुझे	और-नहीं	उत्तर-दूँगी	ढूँढ़ेंगे-मुझे	और-नहीं	पाएँगे-मुझे
	H7121	H3808		H7836	H3808	H4672

“तब, वे मुझको पुकारेंगे किन्तु मैं कोई भी उत्तर नहीं दूँगी। वे मुझे ढूँढ़ते फिरेंगे किन्तु नहीं पायेंगे।

29

תַּחַת	כִּֽי־	שָׂנְאוּ	דָ֑עַת	וְיִרְאַ֥ת	יְ֝הוָ֗ה	לֹ֣א	בָחָֽרוּ׃
इसलिए-कि	क्योंकि-	बैर-रखा	ज्ञान-से	और-भय	यहोवा-का	नहीं	चुना
H8478		H8130	H1847	H3374	H3068	H3808	H0977

> क्योंकि वे सदा ज्ञान से घृणा करते रहे, और उन्होंने कभी नहीं चाहा कि वे यहोवा से डरें।

30

לֹא־	אָב֥וּ	לַעֲצָתִ֑י	נָ֝אֲצ֗וּ	כָּל־	תּוֹכַחְתִּֽי׃
नहीं-	चाही	सलाह-मेरी	तुच्छ-जाना	सब-	डाँट-मेरी
H3808	H0014	H6098	H5006	H3605	

> क्योंकि वे, मेरा उपदेश कभी नहीं धारण करेंगे, और मेरी ताड़ना का तिरस्कार करेंगे।

31

וְֽ֭יֹאכְלוּ	מִפְּרִ֣י	דַרְכָּ֑ם	וּ֝מִֽמֹּעֲצֹתֵיהֶ֗ם	יִשְׂבָּֽעוּ׃
और-खाएँगे	फल-से	मार्ग-अपने-के	और-योजनाओं-अपनी-से	तृप्त-होंगे
H0398	H6529	H1870	H4156	H7646

> वे अपनी करनी का फल अवश्य भोगेंगे, वे अपनी योजनाओं के कुफल से अघायेंगे!

32

כִּ֤י	מְשׁוּבַ֣ת	פְּתָיִ֣ם	תַּהַרְגֵ֑ם	וְשַׁלְוַ֥ת	כְּסִילִ֣ים	תְּאַבְּדֵֽם׃
क्योंकि	फिर-जाना	भोलों-का	मार-डालेगा-उन्हें	और-निश्चिन्तता	मूर्खों-की	नाश-करेगी-उन्हें
	H4878		H2026	H7962	H3684	H0006

> "सीधों की मनमानी उन्हें ले डूबेगी, मूर्खो का आत्म सुख उन्हें नष्ट कर देगा।

33

וְשֹׁמֵ֣עַ	לִ֭י	יִשְׁכָּן־	בֶּ֑טַח	וְ֝שַׁאֲנַ֗ן	מִפַּ֥חַד	רָעָֽה׃	פ
और-सुननेवाला	मेरी	बसेगा-	सुरक्षा-में	और-निश्चिन्त-होगा	भय-से	बुराई-के	—
H8085		H7931	H0983	H7599	H6343		

> किन्तु जो मेरी सुनेगा वह सुरक्षित रहेगा, वह बिना किसा हानि के भय से रहित वह सदा चैन से रहेगा।"